Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET PAPER 3 JUNE 26, 2005 SHIFT 1 HISTORY QUESTION PAPER

J—0605

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **36** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HISTORY

इतिहास

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खंड – I

NOTE: This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

Manufactures accounted for a mere fraction of capital investment. The structure of demand as well as the technology of manufactures severely restricted the possibility of capital formation in the manufacturing sector. All our sources speak of the extreme simplicity of the Indian artisans' tools - which cost very little - and the bulk of the capital required came from the artisan's meagre savings. His savings, as much as his income, were geared to a hand-to-mouth existence, the surplus from a season's earnings providing the means for production in the next. Accumulation over a period of time hardly entered the picture except in the form of petty hoarding as a nest-egg against a rainy day. Since the technology virtually excluded all use of power, there was very little by way of fixed capital. The capital generated from the artisan's own savings as also the advance in cash and kind provided by the merchant in the commercialized sector of production, were predominantly in the nature of working capital. Our information regarding the relative magnitude of inventories is inadequate. The artisan himself does not appear to have kept any goods in stock. The fact that the European Companies needed to specially order their supplies, generally through middlemen, was no doubt partly due to this lack of inventories, though the special characteristics of their requirements with their emphasis on standardization also necessitated such an arrangement.

उत्पाद में कुल पूंजी के निवेश का एक बहुत ही छोटा भाग लगा था। उत्पादित वस्तुओं के स्वरूप एवं उत्पादन की तकनीक ने उत्पादन क्षेत्र में पूंजी विरचना की संभावना को अत्यधिक संकुचित कर दिया था। हमारे सभी ऐतिहासिक साक्ष्य इस बात की जानकारी देते हैं कि भारतीय शिल्पकार के औजार एक दम सरल हैं और उनका मोल भी कम है। इसके लिए अपेक्षित ज्यादातर लागत पूंजी का अधिकतम भाग शिल्पकार की अल्प बचत से उपलब्ध होता था। शिल्पकार की बचत, यहां तक कि उसकी आय इतनी ही थी कि उसमें मुश्किल से गुजारा हो पाता। एक सत्र (सीज़न) में होनेवाली आय के अधिशेष से अगले सत्र में आवश्यक उत्पादन-साधनों की पूर्ति हो पाती थी। इस प्रकार काफी वर्षों में की गई बचत कठिनता से इतनी होती जिससे मुश्किल के दिनों को काटा जा सके। क्योंकि उन दिनों प्राद्योगिकी में शक्ति (पावर) का प्रयोग नहीं किया जाता था और निश्चित पूंजी भी उपलब्ध न थी। शिल्पकार की निजी बचतें एवं उत्पादन सम्बन्धी वाणिज्य क्षेत्र के व्यापारियों द्वारा प्रदत्त अग्रिम धन राशि व कच्चा माल ही मुख्यतया उसकी सक्रिय पूंजी थी। माल तालिका (वस्तु सूची) के सापेक्षिक परिमाण के बारे में हमें बहुत कम जानकारी है। इस बात की बहुत कम संभावना लगती है कि शिल्पकार के पास स्वयं उत्पाद का कोई भण्डार होता। यूरोपियन कंपनियों को अपनी आपूर्ति के लिए बिचोलियों के माध्यम से मांगपत्र भेजने की आवश्यकता पड़ती थी। इसका कारण कुछ सीमा तक मालतालिका का उपलब्ध न होना भी है। इस बात में भी सच्चाई है कि उनकी जरूरत के उत्पाद की विशिष्ठता और मानकीकरण पर बल, इन कारणों ने भी इस प्रकार की व्यवस्था को आवश्यक ठहराया।

1. Discuss the limitations in capital formation in the manufacturing sector.

उत्पाद के क्षेत्र में पूंजी संरचना के मार्ग में क्या सीमायें थी ? उनका वर्णन करें।

2. What was the nature of relationship between investment and consumption in Indian artisan's house hold ?

भारतीय शिल्पकार के घरेलु जीवन में नियोजन और उपभोग के बीच के संबंध का क्या स्वरूप था ?

3. According to the author what is meant by fixed capital ?

लेखक का निश्चित पूँजी से क्या तात्पर्य है ?

prepp Your Personal Exam Guide

4. What constituted the working capital ?

सक्रिय पूँजी की गठना किस प्रकार से होती है ?

5. What arrangements were made by the European Companies to procure supply of goods that they needed ?

यूरोपियन कंपनियों ने अपेक्षित माल की प्राप्ति के लिये किस तरह की व्यवस्था की ?

SECTION - II

खंड – II

NOTE : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

prepp Your Personal Exam Guide

6. What does the term **"Rita"** denote ?

"ऋत" शब्द का क्या अर्थ है ?

7. Identify "**Hariyupiya**" of the Vedic Literature ?
वैदिक साहित्य में "**हरियूपीय**" की पहिचान बतलाइए।

8. What are the principles underlying Ashokan **Dhamma** ?
अशोक के **धम्म** के निहित सिद्धान्त क्या है ?

Prepp Your Personal Exam Guide

9. What are "**Kārshapanas**" ?
"**कार्षापण**" किसे कहते हैं ?

10. What is meant by Vesara Style ?
वेसर शैली का क्या अर्थ है ?

11. What was the attitude of the Chisti Sufi saints towards the State ?

चिश्ती सूफी संतो का राज्य के प्रति क्या दृष्टिकोण था ?

12. Define amarm.

अमरम की व्याख्या कीजिये।

prepp Your Personal Exam Guide

13. Which section of the Zamindars were termed as Zartalab by the Mughals ?

मुगलों द्वारा जमींदारों के किस वर्ग के लिये ज़ोरतलब शब्द का प्रयोग किया गया है ?

14. Briefly introduce the Banjaras and Sarrafs.

बंजारों और सर्राफों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दीजिये।

15. Define 'Maratha Confederacy'.

'मराठा संघ' की व्याख्या कीजिये।

16. Operational problems of paramountcy.

सर्वप्रभुता की प्रक्रिया की समस्याएं।

17. "Drain theory".

"धन का निकास" की धारणा।

18. Need for integration of Indian States.

भारतीय राज्यों के समाकलन की जरूरत।

prepp
Your Personal Exams Guide

19. European Renaissance.
यूरोपीय पुनर्जागरण।

20. Bias in History.
इतिहास में पूर्वाग्रह।

prepp Your Personal Exam Guide

SECTION - III
खंड – III

NOTE: This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. What changes took place in the Neo-lithic period ?

नव-पाषाण काल में कौन-कौन से परिवर्तन हुए ?

22. Critically examine the position of women in the Vedic period.

वैदिक-काल में नारियों की स्थिति का आलोचनात्मक परिशीलन कीजिए।

23. Describe the trade relations of India with the outside world during 1st-2nd century A.D.

ईस्वी सन् प्रथम-द्वितीय शताब्दी में भारत के बाह्य देशों से व्यापारिक संबंधों का वर्णन कीजिए।

24. Discuss the origin and development of the Buddhist Chaitya architecture upto 3rd century A.D.

बौद्ध चैत्य-वास्तुकला की उत्पत्ति तथा विकास, तीसरी ई. शताब्दी तक की विवेचना कीजिए।

25. Explain the concept of Devaraja cult in South-East Asia.

दक्षिण पूर्वी एशिया में देवराज मत की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. What accounted for the internal revolts during the reign of Muhammad Tughluq.

मुहम्मद तुगलक के शासन काल में हुए आंतरिक विद्रोहों के कारणों का वर्णन करें।

22. Write a note on the Nayaka system in Vijayanagara.

विजयनगर की नायक प्रथा पर टिप्पणी लिखिये।

23. The Bhakti movement of 13th-15th centuries was influenced by many traditions, but it followed none in its entirely. Do you agree with this statement ?

तेहरवी-पन्द्रहवी शताब्दी में हुआ भक्ति आन्दोलन कई परम्पराओं से प्रभावित था परन्तु इसने किसी भी परम्परा का पूर्णत: पालन नहीं किया। क्या आप इस कथन से सहमत हैं?

24. Examine the social roots of the technological backwardness of Mughal India Vis-a-vis the other civilizations of the world.

विश्व की अन्य सभ्यताओं की तुलना में मुगल कालीन भारत के प्रोद्योगिकी क्षेत्र में पिछड़ेपन के सामाजिक कारणों का परीक्षण कीजिये।

25. Examine the changes in the pattern of Mughal policy towards Deccan during Aurangazeb's period.

औरंगजेब के शासन काल में मुगलों की दक्षिण नीति में होने वाले परिवर्तनों का परीक्षण कीजिये।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. ''We are provided with the car, all breaks no engine'' (Nehru on the Act of 1935). Discuss.

''हमें एक कार ब्रेक सहित पर बिना इन्जन के दी गई है''(1935 के अधिनियम पर नेहरू की टिप्पणी) समीक्षा कीजिए।

22. Write a critique on the famine policy of the British.

अंग्रेजों की अकाल नीति पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिये।

prepp
Your Personal Exams Guide

23. Discuss the ideological background for the social legislations in the 19th century.
19वीं सदी के सामाजिक विधि-निर्माण की वैचारिक भूमिका की विवेचना कीजिये।

24. Assess and analyse the mass mobilisation techniques of Gandhi.
गाँधी के जनसमूह लामबन्दी की तकनीक का मूल्यांकन एवं विश्लेषण कीजिये।

25. To what extent the vision of Ambedkar was reflected in the Indian Constitution.
किस हद तक अम्बेडकर का सोच भारतीय संविधान में दर्शाया गया है?

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exam Guide

SECTION - IV

खंड – IV

NOTE: This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the functioning of the local self-government during the Chola period.

चोड़ काल में स्थानीय स्वशासन की कार्यविधि की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Where do you stand in the debate about centralization and decentralization of administration and power under the Mughals ?

मुगलों के अंतर्गत प्रशासन और सत्ता के केन्द्रीयकरण और विकेन्द्रियकरण को लेकर होने वाले विवाद के बारे में आपके क्या विचार है ?

OR / अथवा

Write a critique on the various views about the British impact on Indian economy.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश प्रभाव को लेकर जो विभिन्न विचारधाराएं है उन पर टिप्पणी लिखिये।

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exam Guide

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

Prepp Your Personal Exam Guide